HINDI NEWSPAPER - NEW DELHI - 30-01-2018

स्वास्थ्य | कोच्चि के सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नॉलजी ने बनाई है किट

फिश के साथ केमिकल तो नहीं खा रहे, ₹2 में करें टेस्ट

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

हो सकता है आपको मछली खाना पसंद हो, मगर यह जानकारी न हो कि इसमें ऐसे केमिकल मिले हो सकते है, जो आपकी सेहत पर भारी असर डाल सकते हैं। सरकार ने अब आपकी सेहत को ध्यान में रखते हुए दो टेस्ट किट लॉन्च की हैं, जो मछली में मिले केमिकल के बारे में तुरंत जानकारी दे सकती है। हालांकि किट की कीमत अभी तय नहीं हुई है, पर कहा जा रहा है कि इसके जरिए होने वाले एक टेस्ट पर मात्र दो रुपये का खर्च आएगा।

कोच्चि के सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नॉलजी ने इनका विकास किया है। केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने मंगलवार को इन्हें यहां लॉन्च किया।

मछली को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए इस पर आमतौर पर फॉर्मेल्डिहाइड का लेप लगा दिया जाता है। इसी तरह मछली को खराब होने से बचाने वाली बर्फ को पिघलने से रोकने के लिए उसमें अमोनिया डाल दिया जाता है। फॉर्मेल्डिहाइड और अमोनिया के कारण मछली सेहत के लिए खतरनाक बन जाती है। लॉन्च की गई किट मछली में मौजूद इन रसायनों का तुरंत पता लगा लेती हैं। इन रसायनों के मछली के जरिए पेट में जाने से सिरदर्द, उल्टी, पेट दर्द और बेहोशी हो सकती है। यहां तक कि इंसान की मौत भी हो सकती है। फॉर्मेल्डिहाइड से कैंसर भी हो सकता है। इस किट को लॉन्च करने के मौके पर कृषि मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक, फिश को सिर्फ बर्फ में रखा जाना चाहिए। उसे सुरक्षित करने के लिए किसी केमिकल का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

केंद्र ने टेस्ट किट लॉन्च की

- मछली को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए इस पर आमतौर पर फॉर्मेल्डिहाइड का लेप लगाया जाता है।
- बर्फ को पिघलने से रोकने के लिए उसमें अमोनिया डाल दिया जाता है।
- इन दोनों रसायनों के मछली के जरिए पेट में जाने से सिरदर्द, उल्टी, पेट दर्द और बेहोशी हो सकती है।